

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मोक्ष, सत्र 8, चुनाव व्यवस्थित सूत्रीकरण, संख्या 3

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या आठ है, चुनाव व्यवस्थित सूत्रीकरण, संख्या 3।

रोमियों 8:28-30 और इफिसियों 1:3-14 का सर्वेक्षण करने के बाद, मुझे यह कहना चाहिए था कि सबसे पहले, इफिसियों 1:3-14, रोमियों 8:28-30 और रोमियों 9, कम से कम इसके अधिकांश, महान अंश, चुनाव पर ऐतिहासिक अंश, हम व्यवस्थित व्याख्यानों पर लौटते हैं।

2 तीमुथियुस 1:9, उन दो स्थानों में से एक है जहाँ पौलुस ने अनन्त युगों से पहले, संसार के निर्माण से पहले, इफिसियों 1:4 में परमेश्वर के चुने हुए अनुग्रह को पाया है। वह अनुग्रह प्रभावशाली है, क्योंकि यद्यपि अनन्त काल में योजना बनाई गई थी, परमेश्वर ने इसे समय पर प्रकट किया, 1 तीमुथियुस 1:10 की भाषा का उपयोग करने के लिए, हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु के प्रकट होने के माध्यम से, जिसने मृत्यु को समाप्त कर दिया है और सुसमाचार के माध्यम से जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया है। उद्धार के लिए अपने लोगों का परमेश्वर का चुनाव उसकी संप्रभुता और अनुग्रह, उसके उद्देश्य और दया, और उसकी इच्छा और प्रेम पर आधारित है। वह व्यक्तियों और चर्च दोनों को चुनता है, जैसा कि अगला भाग दिखाता है।

चुनाव व्यक्तियों और चर्च के दायरे में आते हैं। परमेश्वर उद्धार के लिए व्यक्तियों को चुनता है जो सामूहिक रूप से उसके चर्च का गठन करते हैं। पवित्रशास्त्र स्पष्ट रूप से परमेश्वर द्वारा अपने लोगों के व्यक्तिगत और सामूहिक या सामुदायिक चुनाव की शिक्षा देता है।

हम कॉर्पोरेट चुनाव से शुरू करते हैं क्योंकि इस पर कोई विवाद नहीं है। हालाँकि, फिर से, स्पष्ट रूप से कहें तो, कैल्विनवाद ने, मेरे अनुमान के अनुसार, कॉर्पोरेट चुनाव पर पर्याप्त रूप से जोर नहीं दिया है, और इस प्रकार यह कुछ सामुदायिक या संगति अनुप्रयोगों से चूक गया है। परमेश्वर के लोगों के कॉर्पोरेट चुनाव को हर नए नियम के संग्रह, सुसमाचारों में पढ़ाया जाता है।

मत्ती 13:20, 22, 26 और 27. मत्ती, क्या मैंने मत्ती कहा? मुझसे यहाँ गलती हो गई है। माफ़ करें।

मैंने मार्क लिखा हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि यह हो सकता है। नहीं, यह मार्क नहीं है। मार्क 13:20, 22, 26, 27. मत्ती 22, 14. यह मेरी गलती थी। यूहन्ना 6:37. यूहन्ना 10:26, 27. यूहन्ना 17:2 और 24. प्रेरितों के काम 18:9 और 10.

पॉल के पत्र। कॉर्पोरेट या बहुवचन चुनाव इफिसियों 1:4 में सिखाया गया है। रोमियों 8:29 और 30. कुलुस्सियों 3:12.

1 थिस्सलुनीकियों 1:4 और 5. 2 थिस्सलुनीकियों 2:13. 2 तीमुथियुस 1:9. तीतुस 1:1. सामान्य पत्रों में, याकूब 2:5. 1 पतरस 1:1 और 2. 2 पतरस 1:10. 2 यूहन्ना 1 और 13.

प्रकाशितवाक्य 17:14. मैं इनमें से कुछ वचन उद्धृत करना चाहूँगा। 1 पतरस 5:13.

वह जो बेबीलोन में है, तुम्हारे साथ चुनी गई है। यह रोम में चर्च द्वारा बेबीलोन के रहस्यमय प्रतीकवाद का उपयोग करने का संदर्भ है, जो कि परमेश्वर के वर्तमान शत्रु रोम के लिए परमेश्वर का प्राचीन शत्रु है। वह जो बेबीलोन में है, तुम्हारे साथ चुनी गई है, तुम्हें नमस्कार भेजती है, जैसा कि मेरा बेटा मार्क भी करता है।

1 पतरस 5:13. 2 यूहन्ना 1 और 13. आयत 1 और 13.

एल्डर, लेखक, चुनी हुई महिला और उसके बच्चों को। ऐसा लगता है कि यह एक चर्च का संदर्भ है जिसे मैं सच्चाई में प्यार करता हूँ और न केवल मैं बल्कि वे भी जो सच्चाई जानते हैं।

आपकी चुनी हुई बहन की संतान आपको नमस्कार भेजती हैं। 2 यूहन्ना 1 और 13. बेबीलोन में चुनी हुई स्त्री, चुनी हुई महिला, 2 यूहन्ना 1, और उसकी चुनी हुई बहन, पद 13, कलीसियाओं और इस प्रकार सामूहिक चुनाव के संदर्भ हैं।

पवित्रशास्त्र सामूहिक चुनाव की शिक्षा देता है। यह सुसमाचार, प्रेरितों के काम और पौलुस के पत्रों में व्यक्तिगत चुनाव की भी शिक्षा देता है। यीशु ने बेटे के पिता को कुछ लोगों के सामने प्रकट करने के चुनाव के बारे में बताया।

मत्ती 11:27 ESV. मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंप दिया है, और कोई भी पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता; और कोई भी पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र, और वह जिस पर पुत्र उसे प्रकट करना चाहे। मत्ती 11:27.

पिता और पुत्र के पास एक दूसरे के बारे में अद्वितीय पारस्परिक ज्ञान है। पिता ने देहधारी पुत्र को यह अधिकार दिया है कि वह पुत्र की इच्छानुसार पिता को ज्ञात कर सके। 38 वर्षों से लंगड़े व्यक्ति को चंगा करने के बाद, यीशु कहते हैं कि वह हमेशा पिता की इच्छा पूरी करते हैं और साथ ही, ऐसे कार्य भी करते हैं जो केवल परमेश्वर ही कर सकता है।

यूहन्ना 5:19 और 20. उत्तरार्द्ध उद्धरण का उद्देश्य यह है कि सभी लोग पुत्र का सम्मान उसी तरह करें जैसे वे पिता का सम्मान करते हैं। श्लोक 23.

पिता और पुत्र द्वारा किया जाने वाला एक कार्य जीवन देना है। उद्धरण: जैसे पिता मरे हुएों को जीवित करके उन्हें जीवन देता है, वैसे ही पुत्र जिसे चाहता है उसे जीवन देता है। श्लोक 21.

जो बहुवचन है और इसमें यीशु द्वारा चुने गए और पुनर्जीवित व्यक्ति शामिल हैं। प्रेरितों के काम पश्चाताप और विश्वास के महत्व पर जोर देते हैं और परमेश्वर की संप्रभुता को रेखांकित करते हैं।

यह केवल दो बार चुनाव की बात करता है, एक बार सामूहिक चुनाव की, प्रेरितों के काम 18:9 और 10, और एक बार व्यक्तिगत चुनाव की, प्रेरितों के काम 13:48।

पम्फूलिया के पिरगा में यहूदियों द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद, पौलुस अन्यजातियों की ओर मुड़ता है, यशायाह 49:6 का हवाला देते हुए। "मैंने तुझे अन्यजातियों के लिए ज्योति ठहराया है, कि तू पृथ्वी की छोर तक उद्धार का द्वार खोले।" जब अन्यजातियों ने यह सुना, नहीं, मैं अभी भी उद्धृत कर रहा हूँ, जब अन्यजातियों ने यह सुना, तो वे आनन्दित हुए और प्रभु के वचन का आदर किया, और वे सभी जो अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किए गए थे, प्रेरितों के काम 13:47, 48 में विश्वास करने लगे।

चुनाव का आधार नहीं है, यह ईश्वर के चुनाव का परिणाम है। हम 1 थिस्सलुनीकियों 1 में भी यही बात देखते हैं, जो इस प्रश्न का उत्तर देता है कि हम कैसे जानते हैं कि चुने हुए लोग कौन हैं? हम कैसे जानते हैं कि ईश्वर ने किसे चुना है? चिंतित पैरिशियन को कैल्विन का उत्तर याद है? हम चुनाव के लेखक, मसीह को देखते हैं।

हम 1 थिस्सलुनीकियों 1 में देखते हैं। 1 थिस्सलुनीकियों 1, पद 2 में, हम हमेशा आप सभी के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, आपके लिए प्रार्थना करते हैं। पद 4, क्योंकि हम जानते हैं, भाइयों, परमेश्वर के प्रिय, कि उसने तुम्हें चुना है। हम जानते हैं, भाइयों, परमेश्वर के प्रिय, क्योंकि उसने तुम्हें चुना है।

क्योंकि हमने प्रभु की शाश्वत सलाह पर गहराई से गौर किया है और सृष्टि से पहले ईश्वरीय इच्छा को समझा है। बकवास। वह ऐसा कुछ नहीं कहता।

बल्कि, वह कहते हैं, यही वह भूलभुलैया है जिसके बारे में कैल्विन ने हमें चेतावनी दी थी। हम परमेश्वर की शाश्वत सलाह की जांच करने की कोशिश नहीं करते। अच्छा दुख है।

हे भाइयो, हम जानते हैं कि परमेश्वर के प्रिय लोगों ने तुम्हें चुना है, क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास न केवल वचनों में, बल्कि सामर्थ्य और पवित्र आत्मा में और पूर्ण विश्वास के साथ पहुँचा है। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने किसे चुना है, जो सुसमाचार पर विश्वास करता है। विश्वास चुनाव का आधार नहीं है।

विश्वास चुनाव का परिणाम है। परमेश्वर चुनता है, और पुत्र उन्हीं लोगों को छुड़ाता है। हम यहाँ उस चरण को छोड़ देते हैं।

और आत्मा उन लोगों को प्रकाशित करती है, उन लोगों को पुनर्जीवित करती है, उन लोगों को मसीह के उद्धारकारी ज्ञान की ओर खींचती है। पौलुस सामूहिक और व्यक्तिगत चुनाव दोनों की शिक्षा देता है। रोमियों 9 में, वह निर्गमन 33, 19 से ईश्वरीय विशेषाधिकार के बारे में मूसा की शिक्षा का हवाला देता है।

परमेश्वर मूसा से कहता है, "मैं जिस पर दया करना चाहूँगा, उस पर दया करूँगा। मैं जिस पर दया करना चाहूँगा, उस पर दया करूँगा।" रोमियों 9:15.

शब्द किसके लिए और किस पर एकवचन हैं। पौलुस के शब्द मूसा के शब्दों को पौलुस की सेवकाई पर लागू करते हैं। तो फिर, उद्धारण, वह जिस पर चाहता है दया करता है, और जिस पर चाहता है उसे कठोर बना देता है।

पद 18. जिस पर एकवचन है, जो परमेश्वर द्वारा व्यक्तियों को परमेश्वर की बचत दया के प्राप्तकर्ता के रूप में चुनने और अन्य व्यक्तियों को अस्वीकार करने की ओर इशारा करता है। रोमियों के अंत में पौलुस के अभिवादन के बीच एक उपेक्षित चुनाव पाठ दिखाई देता है।

रुफुस को नमस्कार। रोमियों 16:13. मैं शर्त लगाता हूँ कि अगर आप किसी चर्च से पूछें, तो कोई भी व्यक्ति इस पाठ का नाम नहीं बता पाएगा।

प्रभु में चुने हुए रुफुस को नमस्कार। रोमियों 16:13. इस संभावना पर विचार करने के बाद कि पौलुस रुफुस नामक व्यक्ति को एक उत्कृष्ट या चुने हुए व्यक्ति के रूप में संदर्भित कर रहा था, इलेक्टोस के लिए यह कहना असंभव नहीं है।

डौग मू इसे उद्धार के लिए रुफुस के ईश्वर द्वारा चयन के संदर्भ के रूप में व्याख्या करते हैं। उद्धारण: पॉल का शायद बस इतना ही मतलब है कि वह एक ईसाई था जिसे सभी ईसाइयों की तरह चुना गया था। रोमियों 16:13.

चुनाव के लक्ष्य, हमारा उद्धार, और परमेश्वर की महिमा। परमेश्वर ने अनंत काल के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनंत काल के अतीत में लोगों को चुना। नया आकाश और नई पृथ्वी।

परमेश्वर ने कलीसिया और अपने लिए चुनाव से संबंधित लक्ष्य निर्धारित किए हैं। कलीसिया के लिए, लक्ष्य अंतिम उद्धार है, जिसे पवित्रता सहित कई तरीकों से संप्रेषित किया जाता है। इफिसियों 1:4 गोद लेना।

पद पांच. मसीह के अनुरूप होना. रोमियों 8:29.

और विरासत। इफिसियों 1:11. और महिमा।

रोमियों 8, 30. दूसरा थिस्सलुनीकियों 2:14. पौलुस ने दूसरे तीमुथियुस में चुनाव और अंतिम उद्धार को एक साथ जोड़ दिया है।

उद्धारण, इसीलिए पौलुस कहता है, मैं चुने हुएों के लिए सब कुछ सहता हूँ, ताकि वे भी उद्धार पाएँ, जो मसीह यीशु में अनन्त महिमा के साथ है। दूसरा तीमुथियुस 2, 10. अगर वे चुने हुए हैं, तो उन्हें उद्धार क्यों प्राप्त करना है? क्योंकि चुनाव परमेश्वर का शाश्वत चुनाव है।

मोक्ष प्राप्ति समय और स्थान में होती है। यह दिलचस्प है। बाइबल में चुनाव के सबसे महान लेखक पॉल, बाइबल में सबसे महान प्रचारकों में से एक हैं।

और चुनाव उसे प्रेरित करता है। इसलिए मैं चुने हुए लोगों के लिए सब कुछ सहता हूँ, ताकि वे भी उद्धार पा सकें। पॉल जानता है कि उन्हें विश्वास करने और बचाए जाने के लिए सुसमाचार को सुनने की ज़रूरत है।

परमेश्वर के बारे में, चुनाव का लक्ष्य क्या है? यह उसकी अपनी महिमा है, जो सभी चीज़ों में परमेश्वर का अंतिम लक्ष्य है। हम भी अपनी प्रार्थनाओं के अंत में सहजता से जोड़ते हैं। आपके सम्मान और महिमा के लिए, आमीन।

इसे न जोड़ने से बेहतर है कि इसे जोड़ा जाए, लेकिन इसे सिर्फ सरलता से कहने से बेहतर है कि इसे अर्थपूर्ण ढंग से कहा जाए। परमेश्वर ने उद्धार के लिए यहूदियों और अन्यजातियों को इस लक्ष्य के साथ चुना कि, उद्धारण, वे उसकी महिमा के लिए प्रशंसा ला सकें। इफिसियों 1:12.

क्लेंट अर्नोल्ड इफिसियों पर अपनी टिप्पणी में सही हैं। अपने लिए लोगों को चुनने और पूर्वनिर्धारित करने में परमेश्वर का अंतिम उद्देश्य यह है कि इससे उसकी अपनी महिमा होगी। विश्वासी प्रेरित के साथ जुड़ने के लिए बाध्य महसूस करते हैं जब वह गाता है, उद्धारण, चर्च में और मसीह यीशु में सभी पीढ़ियों में हमेशा और हमेशा के लिए परमेश्वर की महिमा हो।

आमीन। इफिसियों 3:21. चुनाव, ऐतिहासिक और शाश्वत।

जॉन फ्रेम। फ्रेम एक असाधारण व्यक्ति हैं। वह प्रभु से प्रेम करते हैं।

उन्होंने कई सालों तक ईमानदारी से काम किया। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके एक किताब में एक अध्याय लिखने के लिए कहा था जिसका मैं सह-संपादन कर रहा था और उन्होंने कहा, मैं आपके साथ हूँ। मुझे आपके प्रोजेक्ट पर पूरा भरोसा है।

मैं आपकी मदद करना चाहता हूँ, लेकिन मैं प्रभु के मुझे घर बुलाने से पहले एक व्यवस्थित धर्मशास्त्र पुस्तक को समाप्त करने का प्रयास कर रहा हूँ। खैर, ईश्वर की कृपा से, उन्होंने उस पुस्तक और उसके बाद कुछ अन्य पुस्तकों को पूरा किया। उस विशेष परियोजना के संबंध में, उन्होंने हमें, क्रिस्टोफर मॉर्गन और मुझे, उनके पिछले लेखन का उपयोग करने की अनुमति दी, जो कि क्रॉसवे के लिए पाप पर हमारी पुस्तक में बुराई की समस्या को समझाने का प्रयास करने के लिए सबसे अच्छी चीज थी।

जॉन फ्रेम ने अपनी पुस्तक, द डॉक्ट्रिन ऑफ गॉड, पृष्ठ 317 से 330 में ऐतिहासिक और शाश्वत चुनाव के बीच मददगार ढंग से अंतर किया है। परमेश्वर द्वारा इस्राएल को चुनना एक ऐतिहासिक चुनाव है। हालाँकि परमेश्वर ने इतिहास में एक राष्ट्र को चुना, लेकिन उसके चुनाव का परिणाम हर इस्राएली के उद्धार के रूप में नहीं हुआ।

जो लोग उसका विरोध करते थे और लगातार वाचा तोड़ते थे, वे बचाए नहीं गए। इसी तरह, परमेश्वर ऐतिहासिक चुनाव के माध्यम से, दृश्यमान नए नियम के चर्च को एक कॉर्पोरेट लोगों के रूप में चुनता है। लेकिन चर्च में हर व्यक्ति उद्धार का अनुभव नहीं करता है।

इसके विपरीत, शाश्वत चुनाव हमेशा उद्धार में परिणत होता है। क्योंकि परमेश्वर सृष्टि से पहले उद्धार के लिए व्यक्तियों को चुनता है, जैसा कि नए नियम में बताया गया है। ऐतिहासिक चुनाव और शाश्वत चुनाव दोनों ही चुनाव के प्रकार हैं क्योंकि दोनों में परमेश्वर का चुनाव शामिल है, लेकिन इसके विपरीत नहीं।

ऐतिहासिक चुनाव व्यक्ति को आस्था के समुदाय में रखता है, लेकिन यह गारंटी नहीं देता कि उसे मोक्ष के लिए हमेशा के लिए चुना गया है। चुने हुए व्यक्ति अंततः ईश्वर पर विश्वास करते हैं और उसकी आज्ञा मानते हैं। इस बिंदु पर उल्लेख करने के लिए एक और स्रोत थॉमस श्राइनर का निबंध है, क्या रोमियों 9 मोक्ष के तहत व्यक्तिगत चुनाव सिखाता है?, एक पुस्तक में जिसे उन्होंने ब्रूस वेयर के साथ सह-संपादित किया था, जिसका नाम स्टिल सॉवरेन, कंटेम्पररी पर्सपेक्टिव्स ऑन इलेक्शन फॉर नॉलेज एंड ग्रेस है।

थॉमस श्राइनर, क्या रोमियों 9 उद्धार के तहत व्यक्तिगत चुनाव सिखाता है?, स्टिल सॉवरेन में, ज्ञान और अनुग्रह के लिए चुनाव पर समकालीन दृष्टिकोण। यह हमें चुनाव और पूर्वज्ञान की ओर ले जाता है। आर्मिनियन परंपरा में, चुनाव पूर्वज्ञान के अधीन है।

आखिरकार, पौलुस कहता है, जिन्हें उसने पहले से जान लिया था, उन्हें उसने अपने बेटे की छवि के अनुरूप होने के लिए भी पहले से ही ठहराया था ताकि वह कई भाइयों या बहनों में ज्येष्ठ हो। रोमियों 8:29। आर्मिनियन मानते हैं कि पूर्वनियति पूर्वज्ञान पर निर्भर करती है, जिसे वे परमेश्वर की पहले से ही यह देखने की क्षमता के रूप में समझते हैं कि कौन विश्वास करेगा।

जब मनुष्य किसी बात को पहले से जान लेता है, तो वह बस यह अनुमान लगा लेता है कि क्या होने वाला है। 2 पतरस 3:17 में इस अर्थ में पूर्वज्ञान शब्द का प्रयोग किया गया है। मैं नए नियम में पूर्वज्ञान और पूर्वज्ञान शब्दों के अलग-अलग उपयोगों को स्वीकार करता हूँ।

ऐसे शब्द अध्ययनों को धार्मिक निष्कर्षों से स्वतंत्र होना चाहिए, और वास्तव में, कभी-कभी वे लोगों द्वारा भविष्य में तथ्यों को जानने की बात करते हैं। कभी-कभी, वे भविष्य के लिए परमेश्वर की प्रभावी योजना के बारे में बात करते हैं। और मेरा तर्क यह है कि कभी-कभी वे परमेश्वर द्वारा लोगों से प्रेम करने के लिए अपने प्रेम को स्थापित करने, लोगों पर पहले से ही अपना प्रेम स्थापित करने की बात करते हैं।

बाइबिल के अनुसार, परमेश्वर का पूर्वज्ञान, यद्यपि इसमें पूर्वज्ञान भी शामिल है, पूर्वज्ञान तथ्यों के बारे में परमेश्वर का पूर्वज्ञान है। पूर्वज्ञान, यह तथ्यों, घटनाओं, होने वाली घटनाओं के बारे में उसका पूर्वज्ञान है। यद्यपि पूर्वज्ञान में उसकी दूरदर्शिता, पूर्वज्ञान, चीजों का पूर्वज्ञान, और यह विचार शामिल है कि परमेश्वर पहले से ही देखता है कि क्या घटित होगा, इसमें पूर्वनिर्धारण की धारणा भी शामिल है, जिसे मैं समझने की कोशिश कर रहा था, पूर्वनिर्धारण।

ऐसा समावेशन केवल दार्शनिक नहीं है, बल्कि शाब्दिक रूप से आधारित है। जब ईश्वर का ज्ञान मोक्ष की ओर ले जाता है, तो इसका एक वाचागत या व्यक्तिगत आयाम होता है। मैं भी यही चाहता था।

यह पुराने नियम में 'नहीं' शब्द के इस्तेमाल से स्पष्ट है। परमेश्वर ने चुना, शाब्दिक रूप से जानता था, यादाह, अब्राहम से, उत्पत्ति 18:19। अनुवाद सही रूप से 'नहीं' शब्द के महत्व को दर्शाता है, क्योंकि पाठ केवल यह नहीं कहता कि प्रभु को अब्राहम के बारे में मानसिक ज्ञान था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि प्रभु ने उस पर अपना प्रेम रखा।

एक और उदाहरण आमोस 3:2 से मिलता है। आह, यह वही है, आमोस 3:2, जहाँ प्रभु इस्राएल को संबोधित करते हैं, "पृथ्वी के सभी कुलों में से मैंने केवल तुमको ही जाना है। इसलिए, मैं तुम्हारे सभी अधर्मों के लिए तुम्हें दण्ड दूँगा।"

परमेश्वर के अपने लोगों के प्रति प्रेम में अनुशासन शामिल है। यहाँ भी, यादाह शब्द ज्ञात के लिए आता है, और कुछ अनुवाद, अच्छे कारण से, शब्द का अनुवाद चुना हुआ के रूप में करते हैं। मैंने पृथ्वी के सभी कुलों में से केवल तुम्हें ही चुना है।

एनआईवी, एनईटी, एनएसबी। जाहिर है, परमेश्वर पृथ्वी के सभी राष्ट्रों को संज्ञानात्मक रूप से जानता है। और इस प्रकार, आमोस 3:2 में, शब्द नहीं का एक व्यक्तिगत और वाचागत आयाम है।

यहोवा ने इस्राएल को इस तरह से जाना है कि उसने इसे सभी राष्ट्रों में से अपनी विशेष संपत्ति के रूप में चुना है। हमने पहले देखा कि यिर्मयाह को भी इसी तरह से भविष्यवक्ता के रूप में जाना जाता था। मुझे यकीन नहीं है कि हम पहले यह जानते थे या नहीं, मुझे खेद है।

मुझे नहीं लगता कि मैंने इसका उल्लेख किया है। यिर्मयाह 1-5, परमेश्वर उसे जानता था। हम भजन 1-6 में भी इसी तरह का प्रयोग देखते हैं, जहाँ प्रभु धर्मी लोगों का मार्ग जानता है, लेकिन दुष्टों का मार्ग नष्ट हो जाएगा।

निश्चित रूप से, प्रभु दुष्टों के मार्ग को भी अच्छी तरह से जानता है, क्योंकि अगली पंक्ति कहती है कि दुष्टों का मार्ग विनाश की ओर ले जाता है, अधर्मियों का मार्ग नष्ट हो जाएगा। परमेश्वर धर्मी लोगों का मार्ग जानता है, जिसका अर्थ है कि वह अपने लोगों की देखभाल करता है और उनकी रक्षा करता है। पौलुस भी अपने लोगों पर अपने अच्छे सुख के लिए अपने प्रेम को स्थापित करने के लिए परमेश्वर के शब्द नहीं का उपयोग करता है।

पौलुस गलातियों को फटकारता है। अब, जब तुम परमेश्वर को जानते हो, या यून कहें कि परमेश्वर ने तुम्हें जान लिया है, तो तुम फिर से कमज़ोर और बेकार तत्वों की ओर कैसे लौट सकते हो? क्या तुम फिर से उनके गुलाम बनना चाहते हो? गलातियों 4:9। परमेश्वर को जानने वाले गलातियों ने अपने धर्म परिवर्तन का संकेत दिया।

लेकिन फिर पौलुस एक गहरी सच्चाई पर विचार करता है, वह अंतिम कारण जिसके लिए वे परमेश्वर को जानते हैं, और वह इसका कारण परमेश्वर का उनके बारे में ज्ञान है। उसने उन पर अपनी वाचा का स्नेह रखा। विश्वासी परमेश्वर को केवल इसलिए जानते हैं क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें पहले से जाना था।

मूर्तियों को चढ़ाए जाने वाले भोजन के मुद्दे को संबोधित करते हुए एक परिचयात्मक पैराग्राफ में भी ऐसा ही पाठ मिलता है। 1 कुरिन्थियों 8:1-3। जानकार वे लोग थे जो मूर्तियों और भोजन के बारे में अपने ज्ञान पर गर्व करते थे, लेकिन कमजोरों की परवाह नहीं करते थे।

पद 1-13. उन्हें अपने ज्ञान पर गर्व था, लेकिन वे इसे कमजोर मसीहियों के सिर पर डंडे की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। पौलुस उन्हें याद दिलाता है और फटकार लगाता है।

उद्धरण, लेकिन अगर कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, तो वह परमेश्वर द्वारा जाना जाता है। श्लोक 3. मूल मुद्दा यह नहीं है कि जानने वाले कितना जानते हैं, बल्कि यह है कि क्या वे परमेश्वर द्वारा जाने जाते हैं। जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं, यानी विश्वासी, रोमियों 8:28, 1 कुरिन्थियों 2:9 की तुलना करें, वे पहले से ही जाने जाते हैं।

जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उन्हें परमेश्वर पहले से ही जानता है। जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं, अर्थात् विश्वासी, उन्हें परमेश्वर पहले से ही जानता है। ज्ञात का पूर्ण काल यह दर्शाता है कि मानव प्रेम परमेश्वर के ज्ञान का परिणाम है।

प्रेम उन लोगों के हृदय में पनपता है जिन्हें परमेश्वर ने जाना है, जो उसके वाचा प्रेम के पात्र रहे हैं। परमेश्वर के वाचा स्नेह को दर्शाने वाले शब्द जानने का एक और उदाहरण 2 तीमुथियुस 2:19 में मिलता है। फिर भी, 2 तीमुथियुस 2:19, परमेश्वर की ठोस नींव इस शिलालेख को धारण करते हुए दृढ़ है: प्रभु उन्हें जानता है जो उसके हैं, और जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह दुष्टता से दूर रहे।

पौलुस झूठे शिक्षकों के प्रभाव पर विचार करता है जो यीशु में विश्वास करने वालों के विश्वास को कमजोर कर रहे थे, आयत 15-18। ऐसे शिक्षकों की चालों के परिणामस्वरूप, कुछ लोगों का विश्वास बर्बाद हो गया, आयत 18। क्या इसका मतलब यह है कि कुछ लोग जो सच्चे विश्वासी थे, अब खो गए हैं? बिल्कुल नहीं।

पौलुस 2 तीमुथियुस 2:19 से लेकर गिनती 16:5 तक और कोरह, दातान और अबीराम की कहानी का हवाला देता है जिन्होंने मूसा और हारून के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था। कहानी का सार यह है कि प्रभु उन लोगों को जानता है जो वास्तव में उसके हैं। कोरह और उसके दोस्तों ने अपने धर्मत्याग से दिखाया कि वे वास्तव में प्रभु के नहीं थे।

और यही बात 2 तीमुथियुस 2-18 के अनुसार उन लोगों के लिए भी सच है जो विश्वास से भटक गए। हालाँकि, जिन्हें प्रभु जानता है, जिन पर परमेश्वर ने अपनी वाचा का स्नेह रखा है, वे कभी भी उससे दूर नहीं होंगे। नए नियम में, फिर, परमेश्वर का पूर्वज्ञान मात्र ज्ञान नहीं है, बल्कि यह उसके लोगों के साथ उसकी वाचा के स्नेह और रिश्ते को दर्शाता है।

हम रोमियों 11:2 में इसे स्पष्ट रूप से देखते हैं, जहाँ हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने अपने लोगों को नहीं त्यागा है जिन्हें उसने पहले से जाना था। पौलुस यहाँ पूछता है कि क्या परमेश्वर ने अपने लोगों इस्राएल को त्याग दिया है। और इसका उत्तर है, बिल्कुल नहीं।



बचे हुए लोगों का संरक्षण यह दर्शाता है कि इस्राएल के लिए एक भविष्य है। इस चर्चा के बीच में, पूर्वज्ञान का अर्थ संदर्भ और वाक्य में इसके उपयोग से स्पष्ट है। संदर्भ में, यह स्पष्ट रूप से इस्राएल के चुनाव, रोमियों 11:5, और संरक्षण, पद 4 को संदर्भित करता है। वाक्य में अर्थ भी स्पष्ट है क्योंकि शब्द पूर्वज्ञान अस्वीकार के विपरीत है।

हम इसे इस तरह से कह सकते हैं। इस्राएल को अस्वीकार नहीं किया गया बल्कि चुना गया। यहाँ पूर्वज्ञान का अर्थ है कि परमेश्वर ने इस्राएल पर अपनी वाचा का स्नेह और प्रेम रखा।

हम रोमियों 8-29 में पूर्वज्ञान का एक और उदाहरण देखते हैं। जिन लोगों को उसने पहले से जान लिया था, उन्हें उसने अपने बेटे की छवि के अनुरूप होने के लिए भी पूर्वनिर्धारित किया था। हमने पुराने नियम और रोमियों 11:2 से देखा है कि यह सोचने के अच्छे कारण हैं कि पूर्वज्ञान का अर्थ है पूर्वनिर्धारित करना और यह परमेश्वर के वाचा के स्नेह को दर्शाता है जो वह अपने लोगों को देता है।

पूर्वज्ञान की ऐसी समझ 1 पतरस 1:20 में भी समर्थित है, जहाँ हम पढ़ते हैं कि मसीह को दुनिया की नींव रखने से पहले ही जान लिया गया था, लेकिन इन अंतिम समयों में तुम्हारे लिए प्रकट किया गया। निश्चित रूप से, परमेश्वर को पहले से पता था कि मसीह कब आएगा, लेकिन उसने केवल उसके आगमन को ही नहीं जाना। उसने यह भी पहले से तय किया और निर्धारित किया कि मसीह कब आएगा।

इसी तरह, मसीह की मृत्यु कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। मसीह को परमेश्वर की पूर्वनिर्धारित योजना और पूर्वज्ञान के अनुसार सौंप दिया गया था, प्रेरितों के काम 2:23। निर्धारित शब्द हमें पूर्वज्ञान को परिभाषित करने में सहायता करता है, यह दर्शाता है कि पूर्वज्ञान में पूर्वनिर्धारण की धारणा शामिल है।

यहाँ प्रस्तावित व्याख्या प्रेरितों के काम 4:27-28 द्वारा भी समर्थित है, जो स्पष्ट रूप से सिखाता है कि यीशु की मृत्यु पूर्वनिर्धारित थी। इस शहर में, हेरोदेस और पॉटियस पिलातुस दोनों, अन्यजातियों और इस्राएल के लोगों के साथ, आपके पवित्र सेवक यीशु के खिलाफ इकट्ठे हुए, जिसे आपने अपने हाथ और अपनी इच्छा के अनुसार जो कुछ भी होने के लिए पूर्वनिर्धारित किया था, उसे करने के लिए अभिषेक किया। पूर्वज्ञान को दूरदर्शिता तक सीमित करना शब्द के वास्तविक उपयोग से कम है।

हमने प्रेरितों के काम 2:23 और 1 पतरस 1:20 में देखा है कि पूर्वज्ञान में पूर्वनिर्धारण का विचार शामिल है। यही बात 1 पतरस 1:1 और 2 पर भी लागू होती है। चुने हुए लोगों के लिए, जो पॉटस, गलातिया, कप्पादोकिया, एशिया और बिथुनिया में निर्वासितों के रूप में रहते हैं, जिन्हें परमेश्वर पिता के पूर्वज्ञान के अनुसार चुना गया है। चुने हुए लोगों को पूर्वज्ञान के अनुसार चुना जाता है।

जिस तरह परमेश्वर ने मसीह के आगमन को पूर्वनिर्धारित किया था, 1 पतरस 1:20, उसी तरह उसने अपने विश्वासियों को भी अपने चुनाव के आधार पर चुना ताकि उन पर अपनी वाचा का स्नेह स्थापित कर सके। 1 पतरस 1:2। इस प्रकार पूर्वज्ञान परमेश्वर के पूर्वनिर्धारण और प्रेम के प्रति प्रतिबद्धता को जोड़ता है।

मुझे इन उद्धारकारी, उद्धारक संदर्भों में पूर्वज्ञान के लिए प्रेम करने, पूर्वज्ञान के लिए प्रेम करने का अनुवाद पसंद है। मसीह के साथ चुनाव और एकता। मसीह के साथ एकता के बारे में बात करने के लिए पॉल अक्सर मसीह में शब्दों का उपयोग करता है।

हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर। दो बार, वह मसीह के साथ एकता को पूर्व-अस्थायी चुनाव से जोड़ता है। यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है कि दो बार जब पौलुस पूर्व-अस्थायी या शाश्वत चुनाव की शिक्षा देता है, तो उन दोनों जगहों पर, वह कहता है कि वह चुनाव मसीह में था।

और मैं इसे पूरी तरह से समझने की कोशिश करने के लिए अपना सिर खुजलाता हूँ। इफिसियों 1:4 में, पॉल कहता है कि परमेश्वर ने दुनिया की नींव रखने से पहले मसीह में लोगों को चुना। 2 तीमुथियुस 1:9 में, जैसा कि हम पहले भी कई बार देख चुके हैं, पॉल कहता है, परमेश्वर ने हमें समय शुरू होने से पहले मसीह यीशु में अनुग्रह दिया।

पॉल द्वारा मसीह के सामान्य उपयोग और इन दो ग्रंथों के बीच का अंतर अस्थायी है। हर बार जब पॉल मसीह में वाक्यांश का उपयोग एकता की बात करने के लिए करता है, तो वह इतिहास में लोगों को मसीह के साथ एकजुट करने के बारे में बताता है। इफिसियों 1:4 और 2 पतरस 1:9 में, वह अनंत काल में मसीह के साथ एकता की बात करता है।

इस प्रकार पौलुस सिखाता है कि परमेश्वर ने सृष्टि से पहले चुने हुए लोगों को मसीह के साथ जोड़ा। इसका क्या मतलब है? यह मसीह के साथ वास्तविक एकता को संदर्भित नहीं करता है, क्योंकि सृष्टि से पहले, हम अस्तित्व में नहीं थे। इसके बजाय, पौलुस परमेश्वर की योजना में मसीह के साथ एकता को शामिल करता है।

परमेश्वर ने न केवल लोगों को बचाने का चुनाव किया, बल्कि उन्हें बचाने के लिए साधन भी बनाए। उसने उन्हें आध्यात्मिक रूप से अपने बेटे से जोड़ने की योजना बनाई। इससे हमें 2 तीमुथियुस 1:9 को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है।

"परमेश्वर ने हमें अपने उद्देश्य और अनुग्रह के अनुसार बचाया है, जो सनातन काल से पहले मसीह यीशु में हमें दिया गया था।" मसीह के साथ एकता कोई दैवीय विचार नहीं था।

यह शुरू से ही परमेश्वर की उद्धार योजना का एक हिस्सा था। चुनाव और बुलावा। कभी-कभी, बाइबल एक व्यवस्थित प्रवृत्ति दिखाती है।

यानी, कभी-कभी, यह अपनी शिक्षाओं को आपस में जोड़ता है। और जाहिर है, मुझे यह पसंद है। मुझे अच्छा लगता है जब मैं उन कनेक्शनों को खोज पाता हूँ।

चुनाव और बुलावा। तीन बार, पौलुस चुनाव और बुलावे को जोड़ता है। परमेश्वर प्रभावशाली ढंग से लोगों को उद्धार की ओर लाता है और उन्हें सुसमाचार के माध्यम से बुलाता है।

हम देखेंगे कि बुलावे में सुसमाचार का बुलावा, उद्धार का संदेश शामिल है जो चर्च द्वारा अपना काम करने पर सभी को जाता है, और एक प्रभावी या प्रभावकारी बुलावा जो परमेश्वर अपने लोगों को सुसमाचार के बुलावे के माध्यम से देता है। सबसे पहले, हम रोमियों 8, 28-30 में चुनाव और बुलावे के बीच संबंध देखते हैं। हम जानते हैं कि सभी चीजें उन लोगों की भलाई के लिए मिलकर काम करती हैं जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, जिन्हें उसके उद्देश्य के अनुसार बुलाया गया है।

क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया था, उन्हें पहले से ठहराया भी था, और जिन्हें उसने पहले से ठहराया था, उन्हें बुलाया भी था। जिन्हें उसने बुलाया था, उन्हें धर्मी भी ठहराया था। जिन्हें उसने धर्मी ठहराया था, उन्हें महिमा भी दी थी।

रोमियों 8:28-30. पौलुस समझाता है कि परमेश्वर के प्रेमी वे हैं जो उसके उद्देश्य के अनुसार बुलाए गए हैं। आयत 28.

फिर वह परमेश्वर द्वारा लोगों के चयन को मसीह के पास उनके बुलावे से जोड़ता है। जिन लोगों को उसने पहले से नियत किया था, उन्हें उसने बुलाया भी। वह निश्चित रूप से उन्हें महिमा देगा। पद 30.

दूसरा अंश बुलावे और चुनाव को जोड़ता है। रोमियों 9:22-24.

क्या होगा यदि परमेश्वर, अपने क्रोध को प्रदर्शित करना चाहता है और अपनी शक्ति को प्रकट करना चाहता है, विनाश के लिए तैयार किए गए क्रोध की वस्तुओं को बहुत धैर्य के साथ सहन करता है? क्या होगा यदि उसने दया की वस्तुओं पर अपनी महिमा के धन को प्रकट करने के लिए ऐसा किया, जिन्हें उसने महिमा के लिए पहले से तैयार किया था? हम पर, जिन्हें उसने बुलाया है, न केवल यहूदियों में से, बल्कि अन्यजातियों में से भी। रोमियों 9:22-24। हालाँकि रोमियों की शुरुआत यहूदियों और अन्यजातियों दोनों को परमेश्वर के सामने, एक पवित्र परमेश्वर के सामने जिम्मेदार, जवाबदेह और दोषी ठहराने से होती है।

रोमियों 1 :18-3:20. यहाँ, वह ज़्यादातर महत्वपूर्ण मामलों पर बात करता है। परमेश्वर हर इंसान के भाग्य पर प्रभुता रखता है।

क्रोध की वस्तुएं विनाश के लिए तैयार की गई हैं। 8:22. 9:22.

मेरी गलती। और दया की वस्तुएँ जो उसने महिमा के लिए पहले से तैयार की थीं। श्लोक 23।

परमेश्वर के चुनाव केवल काल्पनिक नहीं हैं क्योंकि पौलुस ने पहली सदी के विश्वासी यहूदियों और अन्यजातियों को परमेश्वर की दया की वस्तुओं में से एक के रूप में पहचाना है। अर्थात्, हम, जिन्हें उसने न केवल यहूदियों में से बल्कि अन्यजातियों में से भी बुलाया था। तीसरा।

तीसरा अंश चुनाव और बुलावे को जोड़ता है। पौलुस घोषणा करता है कि परमेश्वर ने हमें बचाया है और हमें पवित्र बुलाहट के साथ बुलाया है, हमारे कामों के अनुसार नहीं, बल्कि अपने उद्देश्य

और अनुग्रह के अनुसार, जो समय की शुरुआत से पहले मसीह यीशु में हमें दिया गया था। हम खुद को नहीं बचाते, बल्कि परमेश्वर हमें बचाता है।

उसके उद्धार का एक उद्देश्य, उसके उद्धार का एक पहलू, बुलाहट है। परमेश्वर हमें सुसमाचार के माध्यम से अपनी ओर खींचता है। उसने हमें पवित्र बुलाहट के साथ बुलाया है।

पौलुस हमारे कामों की तुलना परमेश्वर के अपने उद्देश्य और अनुग्रह से करता है, जो उसने हमें सृष्टि से पहले दिया था। परमेश्वर समय शुरू होने से पहले अनुग्रह देता है और जब लोग सुसमाचार पर विश्वास करते हैं तो वह समय और स्थान में लोगों को अपने पास बुलाता है। इस प्रकार, परमेश्वर शाश्वत चुनाव को लौकिक बुलाहट से जोड़ता है।

एक बार फिर, यह दर्शाता है कि विश्वास चुनाव का परिणाम है, इसका कारण नहीं। और हम अपने अगले व्याख्यान की शुरुआत में उस चुनाव और विश्वास को उठाएंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या आठ है, चुनाव व्यवस्थित सूत्रीकरण, संख्या 3।